प्रेस विज्ञप्ति

पत्र सूचना कार्यलय,

चंडीगढ़

प्रधान निदेशालय रक्षा सम्पदा, पश्चिमी कमान एवं रक्षा सम्पदा कार्यालय चंडीगढ़ वृत्त के कार्यालय एवं आवासीय परिसर का शिलान्यास

लगभग 50 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 4.14 एकड़ भूमि पर बनेगा प्रोजेक्ट

चंडीगढ़/ पंचकूला 23 सितंबर 25( ): प्रधान निदेशालय रक्षा सम्पदा (पी.डी.डी.ई), पश्चिमी कमान और रक्षा सम्पदा कार्यालय, चंडीगढ़ वृत्त के कार्यालय के निर्माण के लिए आधारशिला श्री शैलेंद्र नाथ गुप्ता, भा.र.सं.से, महानिदेशक रक्षा सम्पदा (डी.जी.डी.ई) द्वारा आज 23 सितंबर 2025 को चंडीमंदिर, पंचकुला में श्रीमती शोभा गुप्ता, भा.र.सं.से, प्रधान निदेशक, रक्षा सम्पदा (पी.डी.डी.ई) पश्चिमी कमान की उपस्थिति में रखी गई। इस दौरान मुख्य अतिथि ने उद्घाटन पट्टिका का अनावरण भी किया।

शिलान्यास समारोह के पश्चात केंद्रीय पीडब्ल्यूडी के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा इस परियोजना की विस्तृत प्रस्तुति दी गई, जो इस परियोजना को 4.14 एकड़ भूमि पर लगभग 50 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से क्रियान्वित कर रहा है। कार्यालय भवन, आवासीय परिसर और आवागमन आवास को नगर नियोजन और सततता के सभी मानदंडों को ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध किया गया है। यह महत्वाकांक्षी परियोजना पश्चिमी कमान के रक्षा सम्पदा कर्मचारियों के लिए प्रमुख बुनियादी ढांचे की कमी को पूरा करती है, उच्च किराये की लागत को नियंत्रित करती है और संचालनात्मक उत्पादकता, कल्याण और जीवन स्तर में सुधार करती है। इस परियोजना के 2 वर्षों के भीतर पूर्ण होने की उम्मीद है।

प्रधान निदेशालय रक्षा सम्पदा, पश्चिमी कमान सशस्त्र बलों के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण और संवेदनशील पश्चिमी कमान में रक्षा भूमि प्रबंधन और छावनी प्रशासन के लिए जिम्मेदार है। इसका क्षेत्राधिकार पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली, चंडीगढ़, जम्मू और कश्मीर के संघीय क्षेत्रों

तक विस्तृत है। यह नई अवसंरचना इन सभी क्षेत्रों में रक्षा सम्पदा कार्यों को और भी प्रभावी ढंग से संचालित करने में सहायक होगी।

डी.जी.डी.ई श्री शैलेंद्र नाथ गुप्ता ने अपने संबोधन में रक्षा मंत्रालय और सेना के पश्चिमी कमान मुख्यालय का धन्यवाद किया कि उन्होंने इस आवश्यक बुनियादी ढांचे की आवश्यकता को पहचाना और समय पर अनुमोदन प्रदान किया। उन्होंने पी.डी.डी.ई, पश्चिमी कमान और उनकी पूरी टीम को बधाई दी, जिनकी निरंतर मेहनत ने पिछले 4 वर्षों में यह सफल परिणाम दिया है। उन्होंने बताया कि इससे यह सुनिश्चित होगा कि अधिकारियों और कर्मचारियों का कामकाज बेहतर हो और समन्वय चरम पर हो। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह परियोजना न केवल वर्तमान चुनौतियों का समाधान करेगी बल्कि भविष्य की आवश्यकताओं के लिए भी मजबूत आधार तैयार करेगी।

प्रधान निदेशक श्रीमती शोभा गुप्ता ने इस शुभ अवसर पर प्रकाश डालते हुए बताया कि शिमला से चंडीगढ़ स्थानांतरण के पश्चात्, विभाग ने लगभग चार दशकों तक विभिन्न स्थानों पर अस्थायी कार्यालयों से कार्य संचालित किया। हालाँकि वर्तमान में हम केंद्रीय सदन में स्थित हैं, परंतु कार्य संपादन हेतु पर्याप्त स्थान का अभाव है। उन्होंने यह सुखद समाचार साझा किया कि अब कार्यालय को 4 एकड़ का भूखंड आवंटित किया गया है, जिससे समस्त इकाइयाँ एक ही परिसर में एकीकृत हो सकेंगी। यह परिवर्तन कार्यालयीन प्रक्रियाओं एवं कर्मचारियों की कार्यकुशलता हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण एवं लाभप्रद सिद्ध होगा। उन्होंने इस नवीन सुविधा से कार्य दक्षता में होने वाले उल्लेखनीय सुधार पर गहरी संतुष्टि व्यक्त की।

इस शुभ अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए अधिकारियों द्वारा पौधारोपण भी किया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सेना, रक्षा लेखा और रक्षा सम्पदा विभाग के अधिकारी, प्रधान निदेशालय और रक्षा संपदा कार्यालय चंडीगढ़ के कर्मचारी तथा केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। सभी उपस्थित अधिकारियों ने इस परियोजना की सफलता के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया और इसे समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

*****

पीएस/एके